तुलसी
कॉमिक्स
संख्या 8 मूल्य 5.00
शालू-कालू
Jyotsna Jaiswar

नये सेट के चार नये कॉमिक्स

रितुराज का
'तौसी सीरीज' का हंगामाजनक कॉमिक्स

इच्छाधारी सांप का इन्तकाम
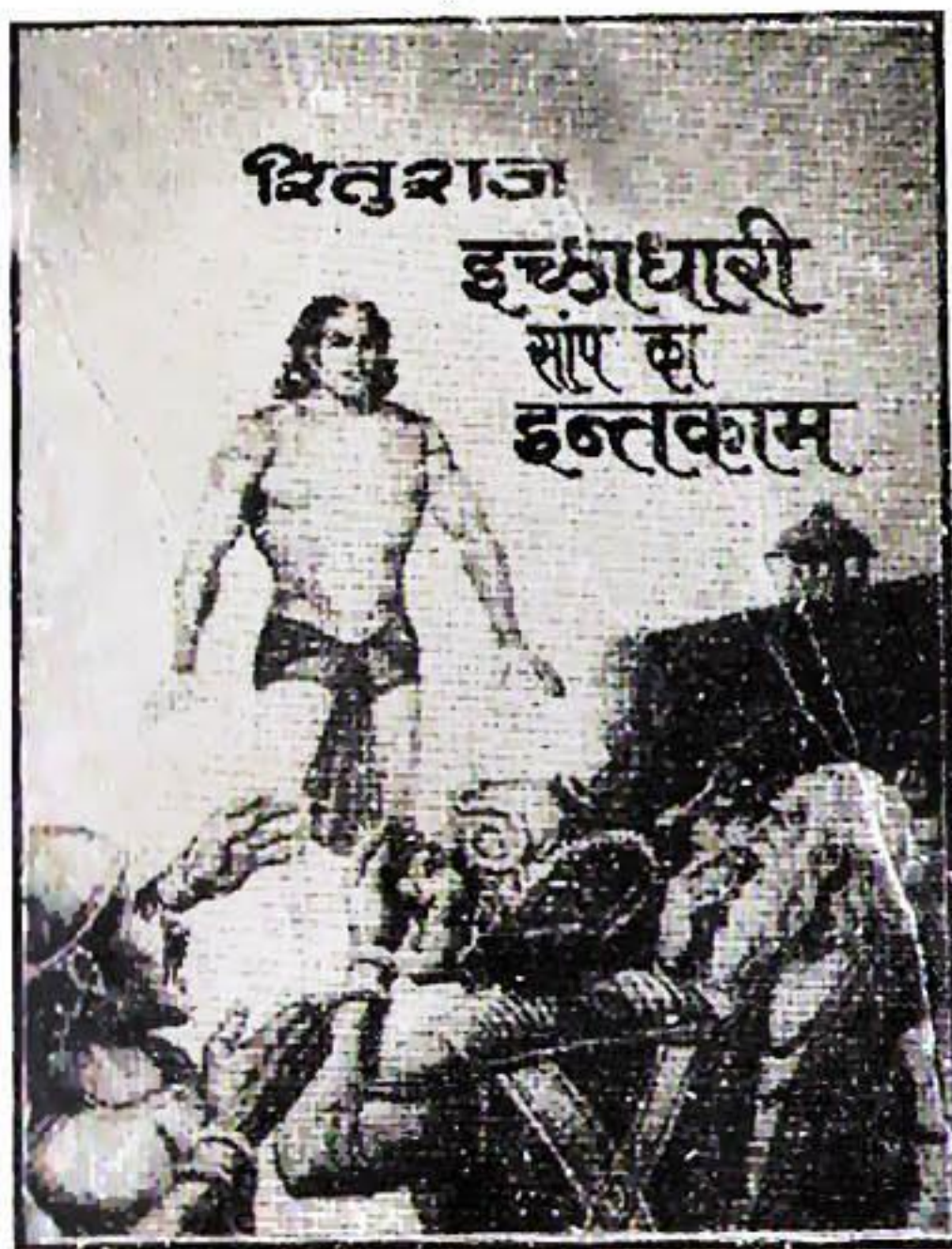
वेद प्रकाश शर्मा का
'जम्बू सीरीज' का सनसनी खेज कॉमिक्स

जम्बू बना भावा
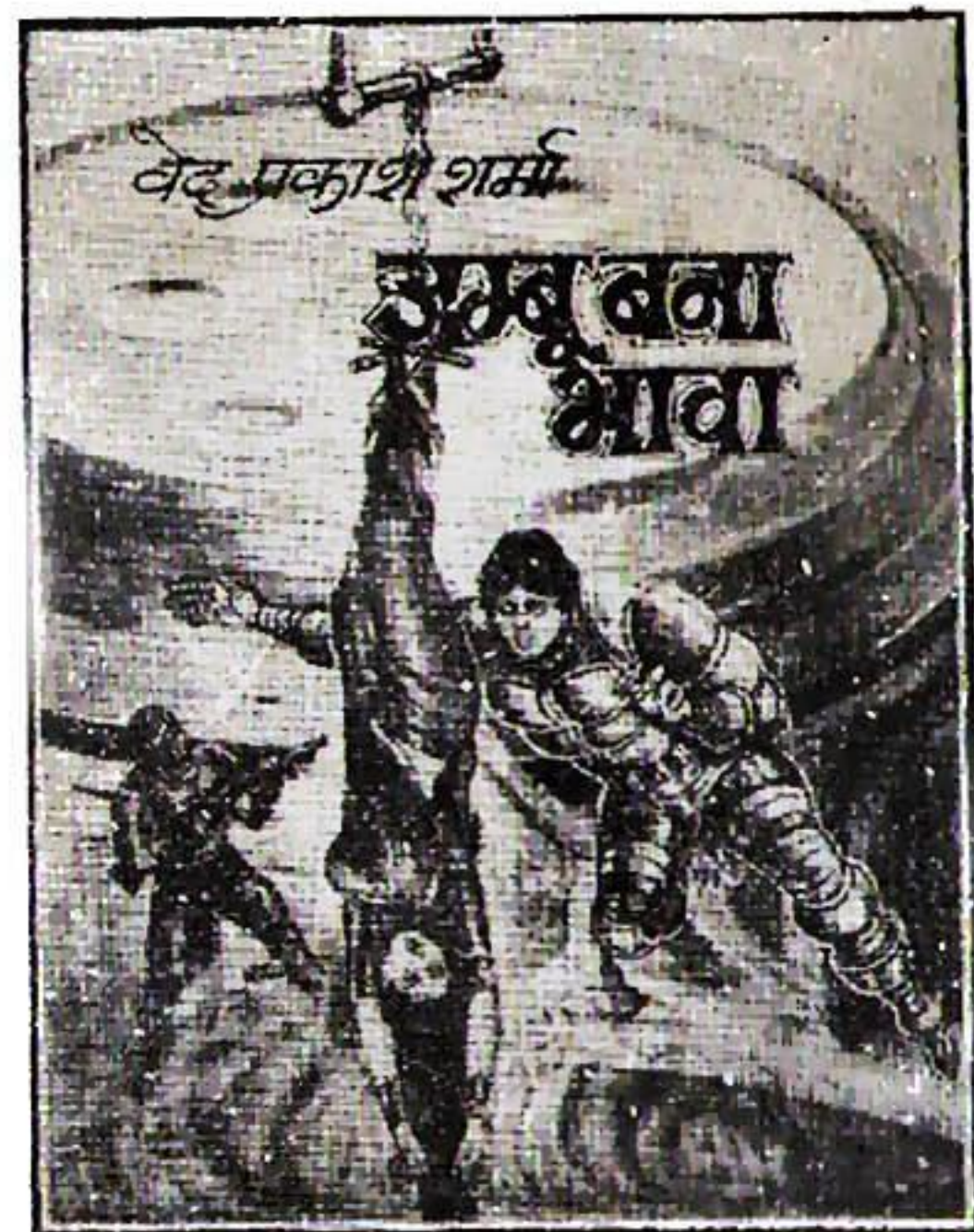
अंगारा की जंग

शालू कालू

शालू-कालू

सम्पादक : प्रमिला जैन, कथानक व चित्रांकन : इन्दु फीचर्स

शालू और कालू ये नाम हैं दो बदनसीब इंसानों के जो इस महंगाई के जमाने में किसी तरह अपनी खटारा गाड़ी खींच रहे हैं. दोनों एक खस्ता मकान में रहते हैं. दोनों के पास करने को कोई काम नहीं. इसलिए रोजाना किसी न किसी पड़ोसी से उधार चायपत्ती लेते हैं. उसकी चाय बनाकर पीते हैं और निकल पड़ते हैं काम की तलाश में. ऐसे ही एक दिन-

जरूरत है होशियार आदमी की जो कार बेच सके.

कालू देख ! इस कार शो रूम वालों को, कार बेचने के लिए सेल्समैन की जरूरत है.

तो फिर सोचना कैसा, चल कर बात करते हैं.

मैंने तुमसे पहले देखा... हां जी पहले देखा!

बहुत बढ़िया! वाह! क्या बात है. तुम दोनों को रखा जाता है.
आंई!
क्या?

भई ये क्या बात हुई मुझे कार चलानी आती है. फिर आपने इन दोनों जोकरों को क्यों रखा?
भई आज तो कमाल हो गया.
सितारे बुलन्द हैं अपने.

वो इसलिए महाशय कि मुझे इस बात की गारण्टी हो गई है कि ये दोनों मेरी कार चुरा कर नहीं भाग पाएंगे- जबकि तुम ऐसा कर सकते थे. क्योंकि तुम कार चलाना जानते हो... समझ गए, अब चलते बनो.
आंए.
बड़ा काइयाँ बुढ्डा है.

ले भई कालू! हम कार सेल्समैन बन गए.
चल शालू! कोई बात नहीं. कभी कार में तो बैठे नहीं, कार बेचकर ही तसल्ली कर लेंगे.

उधर देख हमारा पहला मुर्गा, आई मीन बकरा, ओ नो ग्राहक!
मैं उसे पटाता हूं!

आप जरूर यह कार खरीदना चाहते हैं. हुजूर कालूराम आपकी खिदमत करेगा.

हां, देखो मिस्टर कालू ! मैं मजबूत सुन्दर टिकाऊ कार चाहता हूं. आपकी दुकान में है कोई कार ?
लो जी, ऐ भी कोई पूछने की बात है. यहां तो सारी ही कारें पक्की हैं.

धड़ाम
मैं आपको नमूना दिखाता हूं.

उसे छोड़िए साहब, इधर आइए इधर पक्की कारें खड़ी है.
तो क्या उधर की अभी कच्ची है. ?

आप इस कार को परखिए हुजूरेवाला ! कितनी प्यारी है. दुलारी है. इसके जबरदस्त पहिए हैं इसका रंग तो लाजवाब है- छू कर देखिए...

द... देखिए !
बाप रे हाथ ही चिपक गया है.
क्या हुआ इसके कलर को !

अबे छोड़ ! जरा मुझे खींचना साहब... मैं इससे चिपक गया.
अच्छा.

फिर-
उसे छोड़िए साहब, आपको दूसरी कार दिखाता हूं.

अच्छा तो तुम इस बेढब कार को मुझे बेचना चाहते हो... मुझे नहीं खरीदनी ये कार, समझे?
ल...लेकिन मेरी बात तो सुनिए.
चोप्प!

कालू तेरे बस का नहीं है. इसे कार बेचना... अब मैं ट्राई करती हूं.
नहीं, तू चुप रह मैं इस नासपीटे को एक कार बेच कर ही छोड़ूंगा!

आप इस माडल को देखिए जनाब इधर नजर डालिए.

उसकी तरफ कोई ध्यान मत दीजिए...ये तो बेकार में ही बड़ी-बड़ी हांका करती है. वैसे भी जो कार वो दिखा रही है. पूरे शो रूम में सबसे रद्द कार है.
वाह!

हां, यही है, जिसकी मुझे तलाश थी- वाह! क्या बात है. लाजवाब- जबरदस्त, खूबसूरत- ऐसी कार मैंने अपनी जिन्दगी में पहले कभी नहीं देखी है.

देखा! कार कैसे बेची जाती है· कुछ होशियारी मुझसे उधार ले ले·
हां, हां, देखी है तेरी होशियारी· अगर मैं उसे कुछ न बेच सका तो उसे खरीदने भी नहीं दूंगा, तू देखती जा!

लेकिन अभी मेरा कोई पक्का इरादा नहीं है कि मैं कार खरीद ही लूं!

क्यों जी, आप इसे क्यों नहीं खरीदना चाहते! पूरे शो रूम की शान है· तेज भागती है··· जबरदस्त है ये कार!

मुझे पक्का यकीन नहीं कि ये तेज दौड़ सकेगी· क्या पता इसमें कोई खराबी हो·
इसकी चिन्ता मत करो···

आप कार के पहियों के नीचे रोलर देख रहे हो न··· इनसे तुम यह देख सकते हो कि यह कितनी स्पीड से भागेगी·
अच्छा

बूऽऽऽमममम
लाजवाब! आप स्टार्ट करो, देखें मीटर के अनुसार आप 75 किलो मीटर प्रति घण्टे की रफ्तार से कार दौड़ा सकते हैं.

व्रूऽऽऽम व्रूऽऽऽम
अब ये सौ की रफ्तार से जा रही है.
क्या आपने नोट किया... कितनी प्यारी आवाज है इसकी
तुम क्या बक रहे हो, मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा.

अब इसके बारे में क्या सोचा साहब?
म... मैं कुछ निश्चित नहीं कर पा रहा!

क्योंकि मैंने कई मील कार चलाई लेकिन कार अपनी जगह से एक इंच भी नहीं हिली.

मेरे ख्याल से तो आप इसमें बैठ कर शहर का एक चक्कर ही लगा डालो.
वाह! क्या आइडिया है... लाजवाब!

बाप रे! बाप... फूंऽऽऽ हाय बड़ी भारी है... शालू कार से बाहर आकर मेरी मदद कर!
अभी उतर कर आती हूं.

हाय! शालू की बच्ची, मरवा डाला- कम्बख्त कार को आगे कर दिया.
लू लाल, कम से कम तब तक तो इंतजार किया होता, जब तक मैं ब्रेक लगा कर नीचे उतरती...
...धक्का लगाए ही जा रहा था तू, तो ऐसा ही होगा.

ये लो, ये रही कार की चाबियां- जरा राउण्ड लगा कर जल्दी वापस आना!
हां, हां, क्यों नहीं, तुम चिन्ता मत करो!

टाटा
बाय, बाय!

हा! हा! हा! कैसा बुद्धू बनाया! हा! हा! हा!

वह तो हमें बुद्धू कह गया... इसका क्या मतलब हुआ कालू!
बुद्धू का मतलब... बन्दी अक्ल से पैदल होता है!

हम तो बहुत समझदार हैं. फिर वह हमें बुद्धू क्यों कह गया?
पता नहीं, जब वापस आएगा तो पूछ लेंगे!

म... मालिक साहब!
ये क्या किया कम्बख्तो?
वह कार चुरा कर ले भागा!

कालू! गड़बड़झाला वो लफंगा कार चुरा कर ले गया!
और हमने कार चुराने में उसकी पूरी सहायता की!

उस कम्बख्त चोर के पीछे जाओ- सबसे तेज दौड़ने वाली कार ले जाओ- जल्दी करो!
ज...जी हम जा रहे हैं- म...मालिक साहब!

हाय! नहीं... इन नालायकों को तो कार चलानी आती ही नहीं- उसे पकड़ेंगे कैसे?

हां ठीक! अब इसे दबा दो- गाड़ी चल पड़ेगी!
नहीं, रुको! कार को मत छेड़ो- मैं पुलिस को फोन करता हूं- वे ही इस चोर को पकड़ेंगे।

कालू कार को उल्टा क्यों चला रहा है- आगे की तरफ चला-
अरे बाप रे! कोई रोको-
अच्छा!

ब-बचाओ, अरे कोई इन कम्बख्तों को रोको!

हाय!

शुक्र है बाल-बाल बचा!

आगे बढ़ा! कालू कार को आगे बढ़ा!

हां, ऐसे ही कालू! ठीक शाबाश!
शूं शूं

अरे बाप रे! ये तो फिर मेरे पीछे आ रहे हैं-जान बचा कर भागूं... वरना आज मरा समझो!

और फिर-
रोको! रोको!
आगे से हट जाओ-आगे से हट जाओ

आखिरकार हम आज अपनी कार खरीदेंगे!
लेकिन कार चलाने में बड़ा खतरा रहता है.

कार चलाना खतरनाक बात है. सुनकर मुझे हंसी आ रही है... हा! हा! हा!
कारों के एक्सीडेंट देख कर मैंने ये बात कही थी.

अरे बाप रे! ये क्या?
धड़ाम!
हाय राम! बचाओ!

अभी भी कुछ कहना है प्रिये! बड़ा हंस रहे थे!
न...नहीं कहनाजी!

बापरे! कार है या तोप का गोला!
इस तरफ चल कालू-वो इधर ही गया है.
चीं-चीं
झूं झूं

पीं...पीं...पीं
बाप रे! ये बन्दा बीच रास्ते में खड़ा है.

ऐं भाई बीच रास्ते में से हट जा! मैं कहती हूं...पींपीं मत कर!

लेकिन-
धड़ाम
धा धा धा
हाय

उधर देख, चोर की कार नजर आने लगी!
हुं...हुं... म...म...

गजब हो गया, वो मेरे पास आते जा रहे हैं, और कार की स्पीड और बढ़ ही नहीं रही-मैं इसकी शिकायत वहां करूंगा जहां से मैंने इसे चुराया है.

बस अब तो इस दुष्ट चोर को हमने पकड़ा समझो!

अबे ओ चोर! रूक जा! रूक जा चोर के बच्चे!
अब तो पकड़े गए समझो! भागने से कोई फायदा नहीं!

ऑय, तो इतनी जोर के ब्रेक क्यों लगा रहा है-मर गए.
चीं-चीं-चीं

और फिर-
भड़ाम!

अरी शालू! तू जिन्दी है या मर गयी.
पता नहीं, अभी तो मुझे खुद की भी नहीं पता मैं जिन्दा हूं या मर गयी हूं.

चोर के बच्चे! हमने तुझे पकड़ लिया!
पकड तो लिया- लेकिन क्या तुम अपनी कार को मेरे पीछे नहीं रोक सकते थे?

और हवलदार साहब वो एक कार लेकर भाग गया. मेरे दो सेल्समैन उसके पीछे गए हैं.

पुलिस को तकलीफ देने की जरूरत नहीं- हम चोर को पकड़ लाए है.

मैंने पुलिस को कार चोर की वजह से नहीं बुलाया कम्बख्तो!

बल्कि तुम दोनों के लिए बुलाया है, गिरफ्तार कर लो इन दोनों को!

लेकिन हम इन दोनों को गिरफ्तार नहीं कर सकते. इन दोनों ने जो कुछ भी किया अच्छे इरादे से किया. हम इन्हें कुछ नहीं कह सकते.
तो ठीक है, इनसे मैं खुद निबटूंगा.

हवलदार ने तो तुम दोनों को छोड़ दिया. मैं नहीं छोड़ने वाला, जो नुकसान किया है, तुम्हें वह भरना पड़ेगा.

लेकिन हमारे पास तो एक पाई भी नहीं, जो हम तुम्हारा नुकसान भरें!
इस बात की तुम चिन्ता मत करो. मुझे अपना पैसा वसूल करना आता है. आज कल पेट्रोल के दाम बड़े ऊंचे हैं मेरे पास एक आइडिया है.

फिर-
शाबाश! मेहनत करो- जल्दी! मेरा नुकसान पूरा करो!
कालू! अपनी किस्मत तो काली है. कार सेल्समैन की नौकरी भी रास न आई!
किस्मत में जब लिखा है धक्के तो हम कैसे खाएंगे आम पके.

शालू-कालू ने कंजूसी कर-कर के कुछ रुपए जमा किए और दोनों सर्दियों में शिमला की सैर को चल पड़े.

हमारा स्टेशन आ गया शालू.

ल...लेकिन... शालू...यहां तो सब गड़बड़ लगती है.
हां, लोग तो नंगे घूम रहे हैं. जैसे शिमला न होकर कहीं और हों.

लगता है हम किसी गलत स्टेशन पर उतर गए. ये शिमला नहीं है.
हां... अब क्या करें...हम तो बर्फ पर स्की करने आए थे. और...

दोनों स्टेशन से बाहर आ गए-
टैक्सी-हमें शिमला ले चलो. जहां बर्फ हो.
TAXI

जल्दी ही वे शिमला पहुंच गए.
TAXI

आहा! आखिरकार हम पहुच ही गए...अब हम बर्फ पर स्की कर सकेंगे.

तभी-
हाय! मरा...अरी शालू...की बच्ची! मैं फिसला रे!
शूंssss

पर ही फिसल
क्या खाक

दोनों स्केटिंग के लिए चल पड़े.
शालू, तू मेरी स्केटिंग देख कर दंग रह जाएगी.
अच्छा... अभी पता चल जाएगा.

ये जगह बढ़िया है. हम यहीं से स्केटिंग करेंगे.
हाय! मार डाला.
तड़ाक!

जगह तो अच्छी है... अब इन कम्बख्तों को कंधे से नीचे उतार दे.
कालू, तू जमीन पर लेटा है... क्या तू बड़ा थक गया है?

दोनों स्केटिंग के लिए तैयार हुए -
क्यों शालू! क्या तुमने पहले भी कभी स्केटिंग की है.
नहीं... ज्यादा नहीं की... पहलीबार कर रही हूं... इसलिए...

आहा! आखिरकार वो प्यारा क्षण आ ही गया· अपनी छड़ें कस कर पकड़ो.

कालू, तू मुझे बताऐगा स्की कैसे करते हैं· मुझे तो बिल्कुल नहीं पता.

अचानक ही-
ई...ई... ब-बचाओ!
अरे! शालू.

ह...देख के शालू आगे पेड़ है...टकरा मत जाइए.

मुझे बता कालू... मैं क्या करूं?

ओह! मुझसे नहीं देखा जाता... मैं तो अपनी आंखें बंद कर लेता हूं.

हां तो कालू-बताना अब क्या करूं-मैं तो फिसलती जा रही हूं.

बहुत बढ़िया-बच गयी...मैं उसे गाइड जो कर रहा था. वरना वह पेड़ से टकरा जाती.

रुक जा शालू!

क...कैसे रुक जाऊं... क्या इसमें ब्रेक लगे हैं?

अरे बाप रे!
ऊंऽऽम

बाप रे कितना तेज तूफान था-ठण्ड की लहर दौड़ गयी.
क्या वो तूफान था-म...मैं...

बेचारी शालू! बेचारी शालू... आज मर जाएगी.

कालू ! तू चुप क्यों है... बता न क्या करूं ?
अरे ! कमाल है, ये अभी तक जिन्दी है ?

अब तू ऐसा कर अपने आपको घुमा कर मोड़ ले.

लेकिन उससे पहले ही-
हाय, कालू मैं गयी समझो आज.

ओह ! नहीं... हे भगवान मुझसे नहीं देखा जाता.

शा-शा

क...क...कालू ! बता क्या करूं... कैसे रुकूं ?

और शालू बर्फ से ढकी एक गुफा में धमाके के साथ समा गई.

तभी शालू की आवाज आई...

और जब शालू बाहर आई-

प्रिये, जैसा कोट इस लड़की ने पहन रखा है- मुझे भी ला दो वैसा कोट.
अरे, बाप रे, ये कोट नहीं जिन्दा भालू है.
अच्छा तो शालू...यही है तेरी परेशानी-लेकिन ये तो तेरे साथ खुश है.

शालू! भालू कहां चला गया... क्या वह तुझे छोड़ कर भाग गया?
वह चला गया कालू! जानते हो क्यों?

उसे मेरे से बेहतर स्केटिंग करने वाला मिल गया. उस भालू को स्केटिंग का शौक था.
कमाल का भालू था, जरूर सर्कस में काम करता होगा पहले.

आ शालू, अब मैं तुझे स्केटिंग करना सिखाऊं. देख स्केटिंग करते समय पीछे नहीं देखना चाहिए.
अच्छा! तो कहां देखना चाहिए प्यारे कालू?

चलने से पहले सीधे तन कर खड़े हो जाओ... पूरा ध्यान आगे लगाओ... और देखो रास्ते में क्या-क्या है. समझी?

अब तुम देखना मैं तुम्हें स्केटिंग ...से मजेदार खेल दिखाता ...तू दंग रह जाएगी.

अपनी छड़ों को कस कर थामा... और पैर मजबूती से जमाए.

और फिर इस तरह से आगे की तरफ बढ़े और...

हाय!
धड़ाम!
पेड़ से जा टकराए.

बेचारा कालू...
हाय तुझे सिखाने के चक्कर में खुद ही चक्कर खा गया मैं.
अब क्या इरादा है- और स्केटिंग की जाए?
नहीं... आज के लिए काफी है... अब वापस चला जाए.

शालू-कालू और दर्ज़ी की दुकान

सम्पादक :- प्रमिला जैन

कथानक एवं चित्रांकन :- इन्दु पिक्चर्स

शालू आज बड़ी खुश नजर आ रही थी. गाते गाते वह झूम रही थी।

मिल गया... मिल गया! आज मुझको आइडिया!

क्या बात है शालू! आज बड़ी चहक रही है!

जल्दी ही शालू-कालू की दुकान खुल गयी।
शालू-कालू टेलरिंग हाउस
मैं अपने इस पुराने सूट से परेशान आ गया हूं. इसके बाजू छोटे हो गए हैं. पैंट चढ़ गई है! मुझे एक शानदार सूट की जरूरत है!

आइए! आइए! नमस्ते! नमस्ते!
कहिए हम आपकी क्या सेवा कर सकते हैं?

मुझे एक नया सूट बनवाना है. मैं चाहता हूं मेरा नया सूट बेहद शानदार हो. मैंने जो सूट पहना है इससे अलग हो!

चिंता मत करो! सरकार! आप शालू कालू की दुकान में आ पहुंचे हैं. हम ऐसा सूट बना देंगे जिसे आप उल्टा भी पहन लें.
?!

हो! हो! हो! मैं तो मजाक कर रहा था. मुझे कोई सूट नहीं बनवाना... अच्छा मैं चलता हूं!

तभी-
ऑय! ये क्या?
खटाक!

चिंता मत करो-साहब हमारे ज्यादातर कस्टमर भाग जाते हैं-इसलिए हमने यह दरवाजा लगवाया है.
आपका सूट हम वाकई बढ़िया बना के देंगे!

अच्छा, तो आप चाहते हैं कि नया सूट इससे अलग हो!
ज...जी हां...जी हां... बिल्कुल यही बात है!

ठीक है! हम आपको इससे ज्यादा सख्त और भारी कपड़े में बना के देंगे.
अरे! ये क्या किया तुमने!

ये लीजिए, ये रहा सबसे सख्त, सबसे भारी, सबसे शक्तिशाली कपड़ा जिससे हम आपका सूट बनवाएंगे.
हम्फ...हम्फ... जरा मेरी-

ऐं! देख के!
हाय! मैं मरी!

धड़ाम

हां, अब तुम्हारा क्या ख्याल है पहले कभी इतना भारी और सख्त कपड़ा देखा है.
नहीं! वाकई नहीं देखा, ये तो संसार का सबसे भारी कपड़ा है. लेकिन मुझे बाहर तो निकालो.

! ये तो पक्का कि सूट इसी का बनेगा.
हां, लेकिन क्या तुम्हें नहीं लगता ये कुछ ज्यादा ही सख्त है.

ओह! तुम इस बात पर ध्यान मत दो. दरअसल हमारी कैंची खो गई

ये लो, कपड़ा कट गया!
ये लीजिए साहब.. आपका आधा सूट बन गया.

हाय राम!
आह! मर गया!
धाड़
वाह! तुम तो खुशी के मारे चिल्लाने लगे.

ओह! ऊंई मां मर गया!
अब मेंढक की तरह फुदकना बंद करो और मुझे अपना नाप लेने दो.

ओह! अरे... ये नहीं पता लग रहा है कि ये गो है या एक.
ठीक लंबाई है 48 इंच!
अच्छा!

नहीं... इधर देखो ये 30 इंच है.
ओह! हां कालू ये साहब 30 इंच के हैं.
!!!

बेवकूफ! ये भी नाप लेने का कोई तरीका है. तू हट एक तरफ!

अब लिखने को तैयार हो जा शालू... 22, 37, 43 180, 3, 11, 16...

नाप के बाद.
वाह! सारा नाप ले लिया समझ लो आधा सूट तैयार हो गया!

बहुत बढ़िया, जब तक हम सूट तैयार करते हैं तुम यहां बैठो.
ल-लेकिन म... मुझे... ख... खोलो!

अरी शालू की बच्ची सुईयां कहां गई?
तेरे पास ही तो थी!

मैं सोच रहा था वो तेरे पास है.
देख ले... इधर-उधर कहीं पड़ी होगी!
म...म...म... म...म...म...

आह!
इसे क्या हुआ-ये क्यों चिल्लाया.

ओह! सुईयां इनके नीचे थी. धन्यवाद सर! अगर आप न चिल्लाते तो सुईयां न मिलती.
गुर्रर्र

शालू! काम शुरू करते हैं जो किताब लाइब्रेरी से लाए थे निकाल देना.
ये रही वो किताब, कि पांच मिनट में सूट कैसे तैयार करें.
हे भगवान बहुत हो गया!

ये लीजिए जनाब! आप का खूबसूरत सूट तैयार है.
हां, साहब! इसे पहन कर देखिए.

ठीक! क्या आपको ये पसन्द आया साहब?
अंदर शीशा लगा है, उसमें देखिए हुजूर!

आंई!
अरे! ये इतना क्यों चिल्ला रहा है!

क्यों साहब... क्या आपको हमारा काम पसंद नहीं आया.
अर्रर, नहीं, ऐसी बात नहीं. बस उसमें एक दो फेरबदल करने होंगे.

फिर...
इस बांयी बांह को देखो. ये ज्यादा लंबी है. दांयी छोटी है. क्यों है न!
हूं... ये तो ज्यादा बड़ी बात नहीं.

आपकी बात ठीक है हुजूर! लेकिन आप को सूट पहनना आना चाहिए... अगर आप अपनी इस बांह को ऊंचा करो तो उसमें एक भी सलवट नहीं है.
हूं!

हूं, ये तो ठीक है· लेकिन अब जो यहां पर झोल पड़ रहा है उसका क्या...

लेकिन जब आप थोड़ा नीचे झुकते हैं तो यह झोल गायब हो जाता है. आपको समझना चाहिए कि सूट कैसे पहना जाता है?
तुम ठीक कहते हो· मैं तो पागल हूं·

लेकिन दोनों पावों के पाऊंचे तो अलग-अलग दिखते हैं.

अलग· अलग दिखते... क्या दिखते हैं ! अलग· अलग ?
!!
हां, बाजुएं तो अलग हैं... देखो साहब... ज्यादा नुक्स मत निकालो वरना...

हां, हां, तुम ठीक कहते हो सूट बढ़िया बना है... अच्छा मैं चलता हूं.

बाद में
कितना बढ़िया सूट बना था· पूरे हज़ार रुपए दे गया· हमारा ग्राहक !
अरे, हमने सूट भी तो शानदार बना कर दिया था. हमें हमेशा दुआएं देगा.

समाप्त.

चोर चोर
पकड़ो पकड़ो!

चोर!
चोर!
आंई!

रुक जा नहीं तो गोली मार दूंगा

आह मरा

जरा देखूं तो सही तूने चुराया क्या है?

ओह! 'तुलसी पॉकेट बुक्स' से प्रकाशित होने वाला 'वेद प्रकाश शर्मा' का नया उपन्यास.
वेद प्रकाश शर्मा
दहेज में
रिवाल्वर

के आगामी नये सेट के चार नये कॉमिक्स

- जम्बू दी ग्रेट
- तौसी और धरती के शैतान
- अंगारा का आतंक
- शालू कालू और मोटरसाईकिल की सैर

तुलसी पॉकेट बुक्स

पारिवारिक उपन्यासकार

रितुराज

का नया विशेषांक